Tirupati Fincorp Limited
CIN : L67120RJI1982PLC002438
Web : www.tirupatifincorp.in Email : tirupatifincorp31@gmail.com

ISO 9001 : 2008
CERTIFIED COMPANY

Corporate Office :
2nd Floor, Plot No. 36,
Pushpa Park, Daftary Road,
Malad (East), Mumbai - 400 097.
Maharashtra, India.
Contact : +91 (022) 71148504

August 24, 2024

To,
The Manager-CRD,
BSE Limited,
Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street,
Fort, Mumbai - 400001.

Scrip Code- **539008**

Sub: Newspaper Advertisement regarding the 42nd Annual General Meeting of the Company to be held on September 21, 2024 through Video Conference (VC) / Other Audio-Visual Means (OAVM)

Ref.: Disclosure under Regulation 30 and Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("SEBI Listing Regulations")

Dear Madam/Sir,

In compliance with Regulation 30 read with Schedule III Part A Para A and Regulation 47 of ("SEBI Listing Regulations") 2015, Please find enclosed copies of advertisement regarding 42nd Annual General Meeting of the Company to be held on September 21, 2024 at 03:00 P.M. through VC / OAVM as published in Jaipur (Business Remedies).

The same is also available on the Company's website viz.
www.tirupatifincorp.in

Request you to kindly take the same on record.

Thanking You

For **TIRUPATI FINCORP LIMITED**

AMEYA DHANANJAY BODAS

Digitally signed by AMEYA DHANANJAY BODAS
Date: 2024.08.24 12:28:39 +05'30'

Ameya Dhananjay Bodas
Company Secretary & Compliance Officer

जयपुर ■ दिल्ली से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 11 | अंक : 221 भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत व्यापार एवं विकास की आवाज मूल्य : 3 रुपए | पेज : 8 दैनिक www.businessremedies.com

जयपुर| शनिवार 24 अगस्त, 2024

मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर विद्वान वक्ताओं द्वारा 'एचआर कॉनक्लेव-2024' में डाला जाएगा प्रकाश

एम्पलॉयर्स एसोसिएशन व एनआईपीएम द्वारा यह आयोजन जयपुर में आज किया जा रहा है

यूट्यूबर इंफ्ल्यूएंसर रिषभ जैन भी करेंगे शिरकत

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। दी एम्पलॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (ईएआर) व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मेनेजमेंट (एनआईपीएम) द्वारा जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में आज वृहद् स्तर पर 'एचआर कॉनक्लेव-2024' का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर विद्वान वक्ताओं द्वारा प्रकाश डाला जाएगा।

एचआर कॉन्क्लेव क्यों जरूरी: गौरतलब है कि आधुनिक कारोबारों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए मानव संसाधन की सबसे अहम भूमिका होती है। उद्यमियों को मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं से आवश्यक रूप से अवगत होना चाहिए। ईएआर एक प्रमुख कारोबारी संस्था होने के नाते इस आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए हर वर्ष हर कॉन्क्लेव का आयोजन करता है।

आयोजन की रूपरेखा: इस आयोजन में लगभग 250 उद्योगों व कॉरपोरेट जगत के प्रतिनिधियों को भाग लेने की सम्भावना है। आयोजन समिति में ईएआर के अध्यक्ष एन. के. जैन, एनआईपीएम के अध्यक्ष गृजेश गौड, सचिव आस्था शर्मा, शीतल कपाड़िया, शीशराम शिवरायन, ईएआर जॉब्स पॉईन्ट की पूजा गुप्ता, सोनिया महेश्वरी ने यह जानकारी दी।

ईएआर अध्यक्ष एन. के. जैन ने बताया कि इस कॉनक्लेव में राष्ट्रीय स्तर के स्पीकर नये श्रम कानून (लेबर कोड), गिग इकोनोमी, ईएसजी, नेप्स व नेट्स एप्रेंटिशीप स्कीम और भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एच आर प्रोफेशनल्स पर होने वाले प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

एनआईपीएम के अध्यक्ष गृजेश गौड़ ने बताया कि मुख्य वक्ताओं में आईआईएम, त्रिचनापल्ली के निदेशक डॉ. पवन कुमार सिंह, श्याम स्टील इंडस्ट्रीज लि. पश्चिम बंगाल के दिनेश भारद्वाज, दक्षता कन्सटेंट्स के फाउन्डर डॉ. निधि वशिष्ठ, एचआर मेगजीन बिजनेस मैनेजर के मुख्य सम्पादक अनिल कौशिक, करनावटी यूनिवर्सिटी अहमदाबाद के डीन एकेडेमिक्स प्रो. धीरज कुमार, नारायणा हॉस्पिटल के डॉ. सुमित गाखर, भारत सरकार के एप्रेंटिशिप असिसटेंट डाईरेक्टर मानस खवास, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के सी. एस. शर्मा, लेबर लॉ एक्सपर्ट व यूट्यूबर इंफ्ल्यूएंसर रिषभ जैन अपना ज्ञान व अनुभव उपस्थित उद्योग व कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों से साझा करेंगे। आयोजन समिति के कोआर्डिनेटर शीशराम व पूजा गुप्ता ने बताया कि इसके अलावा दो पैनल डिस्कशन भी रखे गये हैं जिसमें पहला एआई व एमएल इम्पेक्ट ऑन एचआर विषय पर होगा। इसमें अभिनव जैन-फाउंडर एण्ड सीईओ एलमान्ड्स सोनल उपाध्याय - हेड एचआर, प्रथम सॉफ्टवेयर व एचसीएल टेक्नो की एचआर हेड आस्था शर्मा भाग लेंगी।

दूसरा पैनल डिस्कशन फाईनेंशियल इम्पेक्ट ऑफ न्यू लेबर कोड ऑन पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्यूटी व बोनस पर निशान्त मंडावरा व विभिन्न विभाग के सरकारी अधिकारी आलोक फतेहपुरिया अधिवक्त, धर्मपाल चौधरी अतिरिक्त श्रम आयुक्त राजस्थान सरकार, राम निवास बैरवा, प्रो. धीरज कुमार, डाइरेक्टर कर्णावटी यूनिवर्सिटी, निधि वशिष्ठ फाउन्डर दक्षता कन्सल्टेन्ट्स, निशांत मंडवारा, लेबर कन्सल्टेन्ट्स, अपना पक्ष रखेंगे। पूरे दिन चलने वाले इस कानक्लेव के मुख्य अतिथि के. के. विश्नोई, राज्य मंत्री उद्योग एवं वाणिज्य विभाग तथा कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान सरकार व विशिष्ट अतिथि डॉ. समित शर्मा दीप प्रज्जवलन कर कॉनक्लेव का शुभारम्भ करेंगे। दूसरा पैनल डिस्कशन में आलोक फतेहपुरिया अधिवक्ता, धर्मपाल चौधरी अतिरिक्त श्रम आयुक्त राजस्थान सरकार, राम निवास बैरवा, प्रो. धीरज कुमार, डाइरेक्टर कर्णावटी यूनिवर्सिटी, निधि वशिष्ठ फाउन्डर दक्षता कन्सल्टेन्ट्स होंगे। इस समारोह को लेकर उद्यमियों में भारी उत्साह नजर आ रहा है।

विशेषज्ञों द्वारा डाला जाएगा प्रकाश: आईआईएम, त्रिचनापल्ली के निदेशक डॉ. पवन कुमार सिंह द्वारा आधुनिक कारोबार में 'एचआर लीडरशिप का महत्व' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डाला जाएगा। श्याम स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट एचआरआईआर दिनेश भारद्वाज एचआर फ्यूचर प्रूफिंग के महत्व को बताएंगे। एचआर मेगजीन बिजनेस मैनेजर के मुख्य सम्पादक अनिल कौशिक गिग इकोनोमी में लागू होने वाले लैबर कानून, कहीं से भी काम और फ्लेक्सी वर्किंग जैसे विषयों पर अपना अनुभवी मत कॉन्क्लेव में रखेंगे। करनावटी यूनिवर्सिटी अहमदाबाद के डीन एकेडेमिक्स प्रो. धीरज कुमार द्वारा 'मानवीय आवश्यकताओं के लिए किए जाने वाले इनोवेशन में समस्या-समाधान तकनीकों पर फोकस' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सारगर्भित रूप से प्रकाश डाला जाएगा। नारायणा हॉस्पिटल के डॉ. सुमित गाखर कामगारों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बरकरार रखने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डालेंगे।

भारत सरकार के एप्रेंटिशिप असिसटेंट डाईरेक्टर मानस खवास स्किल डेवलपमेंट के विविध पहलुओं पर अपना अनुभवी मत प्रस्तुत करेंगे। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के सी. एस. शर्मा कॉर्पोरेट जीवन में ईएसजी के महत्व को बताएंगे। 4.9 मिलियन सब्सक्राइबर वाले लेबर लॉ एक्सपर्ट व यूट्यूबर इंफ्ल्यूएंसर रिषभ जैन लेबर कानून के प्रमुख प्रभावों से कॉन्क्लेव में आए आगंतुकों अवगत कराएंगे।

आयोजकों के बारे में संक्षिप्त विवरण

एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान

डॉ. कमल नयन बजाज द्वारा 1964 में स्थापित एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (ईएआर) 60 वर्षों में लगातार विकसित हुआ है। ईएआर पूरे राजस्थान के नियोक्ताओं को एकजुट करता है, जिसमें बड़े उद्योग, एमएसएमई और बैंकिंग, आतिथ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। फिक्की और एआईओई से संबद्ध, ईएआर औद्योगिक नीतियों, कराधान और युवा रोजगार क्षमता पर सरकार के साथ सदस्यों की चिंताओं को साझा करता है।ईएआर ने अपनी 'जॉब्स प्वाइंट' पहल के माध्यम से 10,000 से अधिक युवाओं को रोजगार कौशल में सुधार करने के लिए विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की है। ईएआर वेलफेयर फाउंडेशन सामाजिक उत्थान और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित सीएसआर गतिविधियों में संलग्न है।

18 वर्षों से, ईएआर ने उद्योग और शिक्षा में उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता पुरस्कार समारोह का आयोजन किया है। संस्था सदस्यों के पेशेवर विकास का समर्थन करने के लिए कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है और राजस्थान के नियोक्ताओं और उद्योगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर अधिकारियों के साथ संवाद करती है।

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ पर्सनल मैनेजमेंट

15 मार्च 1980 को स्थापित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ पर्सनल मैनेजमेंट (एनआईपीएम), मानव संसाधन पेशेवरों के लिए भारत का अग्रणी निकाय है, जिसका गठन भारतीय कार्मिक प्रबंधन संस्थान (1948) और राष्ट्रीय श्रम प्रबंधन संस्थान (1950) को मिलाकर किया गया था। कोलकाता में मुख्यालय वाले एनआईपीएम के 53 चैप्टरों में 10,000 सदस्य हैं। एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में, यह कार्मिक प्रबंधन में अपने प्रमुख पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीपीएम), कॉर्पोरेट प्रशिक्षण और वैश्विक मानव संसाधन मानकों के लिए एनआईपीएम 4000-2016 प्रमाणन जैसी गतिविधियों के माध्यम से मानव संसाधन उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। एनआईपीएम के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएटीसीओएन) में शीर्ष एचआर विशेषज्ञ शामिल होते हैं और संस्था नियमित रूप से सेमिनार, कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण आयोजित करती है। संस्था छात्र अध्यायों के माध्यम से प्रबंधन छात्रों के साथ भी जुड़ती है और प्रतिष्ठित जर्नल पर्सनेल टुडे प्रकाशित करती है। एनआईपीएम मानव संसाधन उत्कृष्टता के लिए मानक स्थापित करने और उन्हें फिर से परिभाषित करने और उन तक पहुंचने में पेशेवरों और संगठनों का समर्थन करने के लिए समर्पित है।

पहली छमाही में भारत-अमेरिका व्यापार में उछाल, चीन के साथ घाटा बढ़ा : रिपोर्ट

बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली

चालू कैलेंडर साल के पहले छह महीनों (जनवरी-जून) में अमेरिका भारत का शीर्ष कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है जबकि देश ने इस अवधि में चीन के साथ 41.6 अरब डॉलर का अपना अधिकतम व्यापार घाटा दर्ज किया है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि जनवरी-जून, 2024 के दौरान देश का व्यापारिक निर्यात 5.41 प्रतिशत बढ़कर 230.51 अरब डॉलर हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन 41.6 अरब डॉलर के बड़े व्यापार घाटे के साथ सूची में सबसे ऊपर है, क्योंकि चीन को निर्यात 8.5 अरब डॉलर था, जबकि जनवरी-जून 2024 के दौरान आयात 50.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि भारत 239 देशों को उत्पादों का निर्यात करता है और इनमें से 126 देशों ने निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दिखाई है। इन देशों का भारत के कुल निर्यात में 75.3 प्रतिशत हिस्सा है। निर्यात में वृद्धि वाले प्रमुख देशों में अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, सिंगापुर और चीन शामिल हैं। हालांकि, 98 देशों को निर्यात में गिरावट आई है जिनमें इटली, बेल्जियम, नेपाल और हांगकांग प्रमुख हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका भारत का शीर्ष निर्यात भागीदार है। अमेरिका को निर्यात जनवरी-जून, 2023 में 37.7 अरब डॉलर था जो इस साल की समान अवधि में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 41.6 अरब डॉलर हो गया।

देश की आर्थिक गति बरकरार, 6.5-7 प्रतिशत वृद्धि हासिल करने की उम्मीद: वित्त मंत्रालय

बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली

अनियमित मानसून के बावजूद भारत की आर्थिक गति बरकरार है और आर्थिक समीक्षा में 6.5 से 7.0 प्रतिशत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर का अनुमान सही जान पड़ता है। वित्त मंत्रालय की जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। जुलाई की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों में अपनी गति बनाए रखी है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार (अप्रैल-जुलाई) महीनों में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह कर आधार के विस्तार तथा आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के दम पर मुमकिन हुआ। रिपोर्ट में कहा गया कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के क्रय प्रबंधकों के सूचकांक के मजबूत प्रदर्शन से भी घरेलू गतिविधियों में मजबूती का पता चलता है। विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि का कारण मांग का बढ़ना, नए निर्यात ऑर्डर में तेजी तथा उत्पादन कीमतों का बढ़ना है। राजकोषीय मोर्चे पर इसमें कहा गया कि बजट वित्त वर्ष 2024-25 ने राजकोषीय मजबूती का मार्ग प्रशस्त किया।

डिजिटल हेल्थकेयर इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सरकार ने एनएमआर पोर्टल शुरू किया

बिज़नेस रेमेडीज/ नई दिल्ली/आईएएनएस

डिजिटल हेल्थ केयर इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) पोर्टल लॉन्च किया, जो देश के सभी एलोपैथिक (एमबीबीएस) पंजीकृत डॉक्टरों के लिए एक व्यापक और गतिशील डेटाबेस होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल और प्रतापराव जाधव (वर्चुअली) की उपस्थिति में पोर्टल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन भारत को डिजिटल रूप से मजबूत बनाना है और यह तभी संभव है जब स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र भी डिजिटल रूप से मजबूत हो।

जे.पी. नड्डा ने कहा कि एनएमआर डॉक्टरों की आधार आईडी से जुड़ा हुआ है जो व्यक्ति की प्रामाणिकता सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य रजिस्टर इस दिशा में एक बहुप्रतीक्षित कदम है जो डिजिटल स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा और लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करेगा। पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया में निरंतर सुधार के साथ ऑनलाइन रजिस्टर को अपग्रेड और संवर्धित किया जाएगा। राज्य चिकित्सा परिषदों (एसएमसी) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर के विकास और रखरखाव तथा पंजीकरण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में एसएमसी प्रमुख हितधारक हैं। उन्होंने एसएमसी से सक्रिय भागीदारी के लिए तथा पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया, क्योंकि प्रमाणीकरण के लिए उनके प्रयास तथा प्रमाणीकरण की गति एनएमआर की सफलता में महत्वपूर्ण कारक होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि हम पैरामेडिक्स और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए भी इसी तरह का रजिस्टर पोर्टल शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अनुप्रिया पटेल ने कहा, कि डॉक्टरों के बारे में अब तक का डेटा बिखरा हुआ है, जिसमें संशोधन और अपडेशन की आवश्यकता है। एनएमआर पोर्टल इस जानकारी को सही तरीके से रखने में मदद करेगा। डॉक्टरों के लिए पंजीकरण करना आसान होगा, जिससे जानकारी सच्ची और सटीक रहेगी। एनएमआर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जाधव ने कहा कि एनएमआर पोर्टल देश में डॉक्टरों के बारे में गतिशील, प्रामाणिक डेटा सुनिश्चित करेगा। जाधव ने कहा कि इससे चिकित्सा पेशेवरों की पारदर्शिता और गुणवत्ता बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में लोगों का विश्वास बनेगा, क्योंकि उन्हें पारदर्शी तरीके से सत्यापित जानकारी मिलेगी।

BUSINESS

न्यूज ब्रीफ

डॉ. अजय मुर्डिया द्वारा निर्मित की जाने वाली 4 फिल्मों की हुई पोस्टर लॉन्चिंग

बिजनेस रेमेडीज/उदयपुर। रोटरी क्लब उदयपुर द्वारा रोटरी बजाज भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में आज डॉ. अजय मुर्डिया द्वारा निर्मित की जाने वाली 4 फिल्मों के पोस्टर की लॉन्चिग की गई। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. अजय मुर्डिया अपनी आईवीएफ की 45 वर्ष की एवं फिल्मों के नये सफर के संस्मरण सुनायें। डॉ. मुर्डिया ने बताया कि 45 वर्ष पूर्व मात्र दो कमरे से आईवीएफ की यात्रा शुरू हुई। उसे बाद इस शत्रा की सफर बहुत ही कठिन दौर से गुजरा लेकिन उनके साथ इन्दिरा मुर्डिया, खुद के बुलन्द हौसलें व 4 ए यानि अवेयरनेस, अफोर्डेबल, एक्सेसिबिलिटी तथा एक्यूरेसी का गुर के साथ से उन्होंने वह दौर भी आसानी से गुजार दिया।

मोहिनी अग्रवाल को पीएचडी की उपाधि

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) की ओर से यूनिवर्सिटी की मैनेजमेंट स्टडीज डिपार्टमेंट की स्टूडेंट मोहिनी अग्रवाल को एन इम्प्रिकल स्टडी ऑन जॉब सैटिस्फैक्शन अमॅन्ग मेल एंड फिमेल एम्पलोईज ऑफ सेलेक्टेड ऑर्गेनाइज्ड रिटेल सेक्टर विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। शोधार्थी ने अपना शोध कार्य डॉ.नेहा माथुर व डॉ.अंकिता जैन के निर्देशन में पूरा किया है।

आंचल एन्ड्रयुज को पीएचडी की उपाधि

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) की ओर से यूनिवर्सिटी की माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की स्टूडेंट आंचल एन्ड्रयुज को इमर्जिंग मार्केट इकॉनोमिस : इन्वेस्टिगेशन इनटू देयर ग्रोथ ट्रैजेक्ट्री विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। शोधार्थी ने अपना शोध कार्य प्रो. दीपा पारीक के निर्देशन में पूरा किया है।

रीको क्षेत्र में प्लॉट की री-सेल पर स्टाम्प ड्यूटी में छूट दे सरकार

छोटे उद्योगों को मशीनरी के लिए ब्याज दर में छूट का सुझाव

राज्य सरकार ने उद्योग संगठनों के साथ ही बैठक

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने व प्रोत्साहन के लिए राजस्थान इनवेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स) में बदलाव के लिए दो दिन पहले उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में रिप्स 2024 के लिए उद्यमियों से सुझाव लिए गए। सचिवालय में हुई इस बैठक में एसीएस वित्त अखिल अरोड़ा, प्रमुख सचिव डॉ. के.के.पाठक, मुख्य आयुक्त वाणिज्यिकर विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर और उद्योग आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने हिस्सा लिया।

बैठक में उद्यमियों ने सरकार को सुझाव दिया कि छोटे उद्योगों को मशीनरी लगाने के लिए ब्याज दर में छूट दी जाए। जिससे उद्यमियों को सहूलियत हो सके। साथ ही एक सुझाव यह भी आया कि रीको औद्योगिक क्षेत्र में प्लॉट की री-सेल पर स्टाम्प ड्यूटी में छूट दी जाए। साथ ही निवेश सब्सिडी की सीमा को भी सात साल से बढ़ाकर 10 वर्ष किया जाए। इसके अलावा कृषि व डेयरी कलस्टर को थ्रस्ट एरिया में शामिल किया जाए। अन्य उद्योग संगठनों ने भी बैठक में सुझाव दिए।

बैठक में फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी), राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, एंप्लायर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, अखिल राज्य ट्रेड एंड इंडस्ट्री एसोसिएशन (आरतिया) तथा लघु उद्योग भारती समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने नई नीति के लिए सरकार को सुझाव दिए। सरकार उपयुक्त सुझावों को रिप्स में शामिल करेगी।

सरकार को नए निवेश को आकर्षित करने के लिए पुराने निवेशकों और उद्योगपतियों की समस्याओं का निराकरण करना होगा। प्रदेश में पहले से औद्योगिक निवेश कर चुके उद्योगपति सरकार के लिए सही मायने में ब्रांड एम्बेसडर की भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए सरकार को प्रदेश के पुराने निवेशकों को प्रोत्साहित करना चाहिए। सरकार को फोर्टी के सुझावों को रिप्स-2024 में शामिल करना चाहिए, ताकि विकसित भारत के साथ राजस्थान भी विकसित बन सके।

- सुरेश अग्रवाल, अध्यक्ष, फोर्टी

किसी भी स्टेट को इनवेस्टमेंट चाहिए तो उसे पांच चीजों पर ध्यान देना पड़ेगा। पहला जमीन, दूसरा बिजली, तीसरा इंफ्रा, चौथा पॉलिसी और पांचवां पॉलिसी मेकर। जमीन पूरी तरह से निशुल्क होनी चाहिए। बिजली की दर सभी शुल्क मिलाकर 6 रुपए प्रति यूनिट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। साथ ही इंफ्रा पर विशेष फोकस करना होगा। आप नए इंडस्ट्रीयल एरिया को डवलप करो, लेकिन पुराने इंडस्ट्रीयल एरिया को भी संभालना पड़ेगा। इसके अलावा स्पेशल थ्रस्ट एरिया में निवेशकों को 50 फीसदी सब्सिडी तथा फायर सेस से मुक्ति का सुझाव दिया।

- एन.के.जैन, दी एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान

नई इकाइयों के लिए एकल विंडो योजना लागू की जाए। जिससे समय पर कार्य पूर्ण हो सकें। अन्य राज्यों की तरह प्रदेश में बिजली दरों में कमी की जाए। वर्किंग कैपिटल व भूमि पर भी एमएसएमई को छूट प्रदान की जाए। इसके अलावा रिप्स में आने वाली औद्योगिक इकाइयों के साथ ही वेयरहाउस, गोदाम, लॉजिस्टिक व नए स्टार्टअप को भी शामिल किया जाए। सोलर ऊर्जा के लिए औद्योगिक इकाइयों के प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार विशेष योजना लागू करे। नई औद्योगिक इकाइयों को स्टाम्प ड्यूटी की छूट मिलना सुनिश्चित करें। इसके अलावा रीको औद्योगिक क्षेत्र में लगने वाली नई इकाइयों पर ट्रांसफर चार्ज, सबडिविजन चार्ज व अन्य पर छूट दी जाए।

- जगदीश सोमानी, अध्यक्ष, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, एसोसिएशन, जयपुर

सिंगल विडो सिस्टम को फिर से लागू किया जाए। प्लांट एंड मशीनरी की खरीद पर छूट दी जाए। साथ ही निवेश पर सब्सिडी जो अभी तक सात वर्ष दी जाती है। इसे बढ़ाकर 10 वर्ष किया जाना चाहिए। सभी निवेशकों को योजना का लाभ दिया जाए। सेक्टर में निवेश राशि सीमा 50 से घटाकर 30 करोड़ की जाए। इसके अलावा फ्रेट सब्सिडी बढ़ाने का सुझाव दिया।

- डॉ. अरुण कुमार अग्रवाल, महासचिव, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

तमिलनाडु में होगी आईएचएचए की 23वीं एनुअल जनरल मीटिंग और 11वां एनुअल कन्वेंशन

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) की 23वीं एनुअल जनरल मीटिंग और 11वां एनुअल कन्वेंशन इस वर्ष 19 और 20 सितंबर को तमिलनाडु के तंजौर में इंडेको होटल स्वामीमलाई, कुंभकोणम में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष एजीएम और कन्वेंशन की थीम 'रिवाइटलाइजिंग इंडियन हेरिटेज' होगी। यह पहली बार है जब राजस्थान के बाहर किसी अन्य राज्य में आईएचएचए एजीएम और कन्वेंशन का आयोजन होने जा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन मंत्री, गजेन्द्र सिंह शेखावत और तमिलनाडु सरकार के पर्यटन मंत्री, के. रामचंद्रन करेंगे। यह आयोजन आईएचएचए के प्रेसिडेंट एमिरेट्स, एचएच गज सिंह की अध्यक्षता में किया जाएगा। आईएचएचए का उद्देश्य देश में हेरिटेज पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए रोडमैप तैयार करने हेतु युवा और सतत ऊर्जा का संचार करना है। उल्लेखनीय है कि पैन इंडिया कुल 206 हेरिटेज होटल्स हैं और वहीं राजस्थान में करीब 140 हेरिटेज होटल्स हैं। यह जानकारी इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के जनरल सेक्रेटरी, मेजर गज सिंह ने दी।

आईएचएचए के उपाध्यक्ष स्टीव बोर्जिया, इस ऐतिहासिक कन्वेंशन के संयोजक होंगे। बोर्जिया ने बताया कि इस कन्वेंशन का उद्देश्य न केवल युवा पीढ़ी को लीडरशिप के लिए प्रेरित करना है, बल्कि यह भी देखना है कि आईएचएचए किस प्रकार विश्व भर में हेरिटेज पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण और सार्थक भूमिका निभा सकता है। कन्वेंशन के दौरान इस पर चर्चा होगी की किस प्रकार हेरिटेज होटल्स को देश-विदेश में बेहतर स्ट्रेटेजी के साथ मार्केट किया जाए, जिससे देश में हेरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा मिल सके। आईएचएचए हमेशा से देश की विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहा है, इनमें किले, महल, नदियां, स्मारक, हवेलियां और लेक आदि शामिल हैं। अब समय है कि हमारी आने वाली पीढ़ी को देश की विरासत के संरक्षण का जिम्मा सौंपा जाए। बोर्जिया ने आगे बताया कि 20 सितंबर को तमिलनाडु सरकार के पर्यटन मंत्री कन्वेंशन का उद्घाटन करेंगे और उनका मुख्य संबोधन होगा। कार्य म में पूरे भारत से लगभग 150 हेरिटेज होटलियर्स के शामिल होने की उम्मीद है।

उदयपुर जिंक सिटी में होने वाली वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के लिए रजिस्टेऊशन शुरू

29 सितंबर को पहली वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन की हिंदुस्तान जिंक करेगा मेजबानी

बिजनेस रेमेडीज/उदयपुर। कुपोषण से बचाव के संदेश के साथ हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन उदयपुर में 29 सितंबर को आयोजित करेगा। एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन और डिस्टेंस रेस के आधिकारिक सदस्य के रूप में इस आयोजन को एआईएमएस प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह वैश्विक स्तर पर सूचीबद्ध मैराथन है, जो वैश्विक मंच पर इसके महत्व को बढ़ाता है। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन का मुख्य आकर्षण इसका लुभावना मार्ग होगा, जो अरावली पर्वतमाला के मध्य स्थित फतेह सागर झील के चारों ओर है। प्रतिभागी उदयपुर की समृद्ध विरासत के साथ रूबरू होंगे, जिसमें महाराणा प्रताप स्मारक जैसे प्रतिष्ठित स्मारकों, सहेलियों की बाड़ी और नीमच माता मंदिर पहाड़ी से गुजरेगा। हाफ मैराथन 21 किलोमीटर, कुल रन 10 किलोमीटर, और ड्रीम रन 5 किलोमीटर की होगी। यह आयोजन दुनिया भर के पेशेवर और शौकिया धावकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। जिंक सिटी, उदयपुर अपनी पहली मैराथन की मेजबानी कर रहा है। यह कार्यक्रम शरद ऋतु के आगमन के साथ पोषण माह में होगा, जो कि सरकार के कुपोषण मिटाने के अभियान में हिन्दुस्तान ज़िंक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा भूखा न सोए।

इसमें भाग लेने वाले धावक न केवल उदयपुर के इतिहास का हिस्सा बनेंगे, बल्कि जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक, जिंक युक्त भोजन उपलब्ध कराने में भी सीधे योगदान देंगे। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन शारीरिक और मानसिक कल्याण दोनों पर जोर देते हुए स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। यह आयोजन सामाजिक और सामुदायिक नेटवर्किंग के लिए उत्प्रेरक के रूप में तैयार किया गया है, जो कल्याण के लिए साझा प्रतिबद्धता में विविध पृष्ठभूमि के लोगों को एकजुट करता है। निवारक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व के बारे में तेजी से जागरूक दुनिया में, विशेष रूप से महामारी के बाद के युग में, यह मैराथन एक स्वस्थ, फिट और जिंक युक्त जीवन शैली को बढ़ावा देने वाला अग्रणी मंच होगा।

स्वयं उत्साही मैराथन धावक और हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हम समुदाय और लोगों की भलाई के प्रति अपने समर्पण के प्रमाण के रूप में वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन को लॉन्च कर रोमांचित हैं। यह आयोजन सिर्फ दौड़ने से कहीं आगे एक समय में एक कदम, एक स्वस्थ भारत को प्रेरित करने और कुपोषण से बचाव हेतु योगदान देने के लिए है। एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देकर हम अनगिनत लोगों के जीवन पर एक स्थायी प्रभाव डाल सकते हैं और कुपोषण मुक्त भारत की दिशा में सहयोग दे सकते हैं।

जिंक खनन की 2,500 साल पुरानी विरासत के साथ उदयपुर को जिंक सिटी का गौरव प्राप्त है। भूमिगत जिंक खदानों और देश के पहले जिंक स्मेल्टर का स्थान, शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और देश की आर्थिक वृद्धि में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका इस मैराथन के केंद्र में है जिसमें भाग लेकर आप अनगिनत व्यक्तियों के जीवन में बदलाव ला सकते हैं। आइए हम सब मिलकर एक स्वस्थ, संवेदनशील समाज का निर्माण करें, एक-एक कदम आगे बढ़ाएँ। यह मैराथन अभी शुरुआत है, अक्टूबर में वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन होगी और दिसंबर में जयपुर में वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के साथ इस सीजन का समापन होगा।

यूसीसीआई ने दिये वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को उद्योगों के हित में सुझाव

बिजनेस रेमेडीज/उदयपुर। उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के मानद महासचिव डॉ. पवन तलेसरा ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के उदयपुर प्रवास के दौरान शिष्टाचार भेंट कर यूसीसीआई की ओर से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. पवन तलेसरा ने वित्तमंत्री को उद्योग और व्यापार के हित में निम्नानुसार सुझाव प्रस्तुत किये। जो इस प्रकार है।

1. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 43बी के कठोर प्रावधानों के मद्देनजर एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान की समय सीमा 45 दिन से बढ़ाकर 6 महीने की जाए।

2. व्यक्तियों और साझेदारी फर्मों के लिए उच्चतम आयकर स्लैब को 25 प्रतिशत की कॉर्पोरेट कर दर के समान करने से कर संरचना सरल हो सकती है और इन पर कर का बोझ कम हो सकता है।

3. विनिर्माण इकाइयों के भवनों में उपयोग की जाने वाली निर्माण सामग्री के लिए इनपुट क्रेडिट की अस्वीकृति का पुनर्मूल्यांकन करें।

4. देरी के मामले में ब्याज के प्रावधान के साथ निर्यात पर इनपुट क्रेडिट की प्रक्रिया में तेजी लावें।

5. परिवहन और परिचालन लागत कम करने के लिए डीजल और पेट्रोल पर वैट कम करने पर विचार करें, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को लाभ हो।

6. भारतीय मूल के संगमरमर और ग्रेनाइट पर जीएसटी दर घटाकर 5 प्रतिशत किया जाए।

7. रॉयल्टी भुगतान पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करें।

8. माल आपूर्तिकर्ताओं के लिए जीएसटी पंजीकरण की सीमा 40 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये की जाए।

9. सेवा प्रदाताओं के लिए जीएसटी पंजीकरण की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 40 लाख रुपये की जावे।

10. व्यापार के लिए उपयोग किए जाने वाले वाणिज्यिक परिसर पर आईटीसी की अनुमति दें जिसके लिये धारा 17 (5) में आवश्यक संशोधन पूर्व प्रभाव से लागू हों।

11. भारत में खरीदारी करने वाले इनबाउंड पर्यटकों के लिए, देश छोड़ते समय जीएसटी का रिफंड मिलना चाहिए, जिससे हमारी कला और हैण्डीक्राफ्ट को बहुत बढ़ावा देगा।

12. पर्यटन और आतिथ्य में नई परियोजनाओं के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी होनी चाहिए।

13. वर्तमान में टूर ऑपरेटरों द्वारा राज्य से बाहर होटल बुकिंग पर, पूरा जीएसटी उस विशेष राज्य में जाता है। इसे दोनों राज्यों के बीच साझा किया जाना चाहिए, ताकि बिल बनाने वाले टूर ऑपरेटर को अपने राज्य में फिर से जीएसटी चार्ज न करना पड़े, जो अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए फायदेमंद होगा।

14. उदयपुर में पर्यटन, वेडिंग डेस्टिनेशन, खाडी देशों में कार्यरत कामगारों के आने-जाने और आयात-निर्यात हेतु अन्य एयरपोर्ट पर निर्भता कम करने के लिये उदयपुर हवाई अड्डे को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया जाए।

15. ओजीएल के तहत बहुत कम कीमत पर भारी मात्रा में आयात किए जा रहे आयातित संगमरमर से स्थानीय उद्योगों और नौकरियों की सुरक्षा के लिए फ्लोर कीमतों में वृद्धि के साथ प्रतिबंधित आयात नीति को फिर से लागू किया जावे।

16. आसपास के जिलों से लगभग 3000 कन्टेनर प्रति माह होने वाले आयात-निर्यात को देखते हुए खेमली कंटेनर डिपो को सीमा शुल्क द्वारा विधिवत अधिसूचित आईसीडी के रूप में घोषित किया जाए और इसे आयात-निर्यात नीति में शामिल करवाएं ताकि कम लागत पर व्यापार को सुविधाजनक बनाया जा सके और प्रमुख बंदरगाहों पर कन्जेशन को कम किया जा सके।

17. ईपीसीजी एवं एडवांस लाईसेन्स के अन्तर्गत निर्यात दायित्व पूरा नहीं कर पाने पर देय ब्याज को अधिकतम सीमा शुल्क राशि तक सीमित किया जाना चाहिए।

18. ईपीसीजी और अग्रिम लाइसेंस धारको को निर्यात पूरा होने के बाद डीजीएफटी द्वारा सर्टिफिकेट जारी होने के बाद कस्टम द्वारा स्वतः बैंक गारंटी रिलीज कर दी जानी चाहिए।

माननीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने डॉ. पवन तलेसरा द्वारा यूसीसीआई की ओर से प्रस्तुत सुझावों के प्रति सकारात्मक रुख व्यक्त करते हुए इन्हें अमल में लाये जाने का आश्वासन दिया।

'असलियत'

जीवन की राहें टेढ़ी-मेढ़ी होनी चाहिए, क्योंकि सीधी सपाट रोड पर आगदमी बिंदास होकर चलता है जबकि कर्व (मोड़) उसे सावधान कर देते हैं। सजग रहने वाला कहीं ठुकराया नहीं जाता, ठोकर नहीं खाता। हकीकत में जीवन की परिभाषा सतत् जागरण है। सजगता में अघटित घटित नहीं होता। वो अपने लक्ष्य की मीनार पर चढ़ जाता। प्रभू महावीर ने होश और हौंसले से परिषह और उपसर्गों के कई घाट जागरण से पार किए और मंजिल के मालिक बने। बांसुरी को देखिए सीधी थी ना, तो सीने पर जख्म झेलकर किसी के होठों से लग सकी। हीरे के कितने आड़े टेढ़े कोण हुए तब वो सुहागिन के सिर पर शोभित हो पाया। सीधी लकड़ी तो बेचारी कोने में पड़ी रहती है या कुत्ते के डराने में काम भले ही आओ। लेकिन जीवन का सीधापन इन टेढ़ी-मेढ़ी राहों को भी पार लगा देगा। इसे हमेशा याद रखना। गौतम सीधे थे गौशालक टेड़ा। आज गौतम मंगल के रूप में सम्मानित किये जाते हैं गौशालक कोई अपने बच्चे का नाम भी रखना पसन्द नहीं करते।

चिंतनशीला वसुमति जी मा.सा.

जेकेके में फोटोग्राफी के महाकुंभ का आगाज

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। खास नजरिए से कहानियों को देखते हुए कैमरे में कैद किया जाता है। तस्वीर में बंद इन कहानियों को समझने के लिए चाहिए होती है पारखी नज़र। जवाहर कला केन्द्र और राजस्थान फोटो फेस्टिवल की सहभागिता में आयोजित तीसरी इंटरनेशनल नज़र फोटो एग्जीबिशन ने कला प्रेमियों को फोटोग्राफी की दुनिया से रूबरू करवाते हुए विशिष्ट नज़रिया दिया। शु वार को एग्जीबिशन की शुरुआत हुई। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और सांसद मंजू शर्मा, जवाहर कला केन्द्र अतिरिक्त अधीक्षक प्रियंका जोधावत, पंकज ओझा ने एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। पहले दिन बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। अतिथियों में एमजेआरपी चेयरपर्सन, निर्मल पंवार, होटल सफारी पवन गोयल,

जे.डी. माहेश्वरी, दीपक गुप्ता, अनूप श्रीवास्तव,के सी मीना, सत्येन्द्र सिंह, अरविंद पलावत मौजूद रहे।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह फोटो प्रदर्शनी वास्तव में ऐतिहासिक है। एक साथ 650 फोटो का ऐतिहासिक कलेक्शन किया गया है। इस फोटो प्रदर्शनी में देश-विदेश के अलग-अलग क्षेत्र के इतिहास, जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य को दर्शाया गया है। फोटो प्रदर्शनी के लिए उन्होंने आयोजकों को बधाई दी है। फोटोग्राफी के महाकुंभ में 300 से अधिक फोटोग्राफर्स की 600 से अधिक तस्वीरें डिस्प्ले की गयी है। इसमें राजस्थान से बीकानेर, अलवर, जोधपुर, अजमेर, सीकर, उदयपुर, और लखनऊ, सतना, इंदौर, हिमाचल, मुंबई, पंजाब, दिल्ली, झारखंड, उड़ीसा से ओर इंटरनेशनल एंट्री से इंग्लैंड, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम, आसट्रिया, दुबई, सिंगापुर, पेरिस, न्यूयॉर्क, साउथ अफ्रीका से भी फोटोग्राफर भाग ले रहे हैं। प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के साथ-साथ ब्यूरोक्रेट्स की खींची गयी तस्वीरें भी यहां देखने को मिलेगी। इतिहास की झांकी दिखाने वाले 1890 के दौरे के हैरिटेज कैमरे भी यहां प्रदर्शित किए गए हैं जिन्हें देखकर सभी रोमांचित हो उठे।

आवश्यकता

बिजनेस रेमेडीज दैनिक समाचार पत्र को कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली में खबरों एवं विज्ञापन कार्य हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें

बिजनेस रेमेडीज

63/118, हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर -302020

मोबाइल नंबर 9929106227

E-Mail: remediesbusiness@gmail.com

businessremedies@yahoo.com

कई प्रकार के एमडीएफ और एचडीएफ बोर्ड्स के साथ विभिन्न किस्मों की प्रीलेमिनेटेड शीट्स का निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी है 'अर्चित नुवुड इंडस्ट्रीज लिमिटेड'

30 अगस्त को खुलकर 3 सितंबर 2024 को बंद होगा कंपनी का आईपीओ

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। हरियाणा आधारित 'अर्चित नुवुड इंडस्ट्रीज लिमिटेड' कई प्रकार के एमडीएफ और एचडीएफ बोर्ड्स के साथ विभिन्न किस्मों की प्रीलेमिनेटेड शीट्स का निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी है। कंपनी द्वारा अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, अर्चित पैनल्स प्राइवेट लिमिटेड (यानी एपीपीएल) में इक्विटी निवेश के माध्यम से निवेश करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों की पूर्ति हेतु बीएसई एसएमई प्लेटफार्म पर आईपीओ लाया जा रहा है। आरएचपी के मुताबिक कंपनी सहायक कंपनी, अर्चित पैनल्स प्राइवेट लिमिटेड में 133.58 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। बिजनेस रेमेडीज की टीम ने कंपनी के आरएचपी से कंपनी की कारोबारी गतिविधियों के संबंध में जानकारी हासिल की है।

यह करती है कंपनी: 'अर्चित नुवुड इंडस्ट्रीज लिमिटेड' का इनकॉरपोरेशन वर्ष 2017 में हुआ था। कंपनी एमडीएफ और एचडीएफ बोर्डों की व्यापक रेंज और विभिन्न किस्मों की प्रीलेमिनेटेड शीट्स का निर्माण करती है। कंपनी की फैक्ट्री टोहाना में स्थित है और एमडीएफ और एचडीएफ प्लांट के साथ-साथ शॉर्ट साइकिल प्रेस से सुसज्जित है। प्रीलैमिनेटेड रेंज में सॉलिड, वुड ग्रेन शेड्स और फैब्रिक और स्टोन सजावट जैसे विभिन्न प्रकार के टेक्सचर, मैट से प्रीलैमिनेटेड बोर्ड की सतह तक बारीक रूप से तैयार की गई बनावट वाली कौल प्लेटें शामिल हैं। कंपनी के उत्पादों में कैलिफोर्निया एयर रिसोर्सेस बोर्ड भी शामिल है।

कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में एमडीएफ प्री लेमिनेटेड इंटीरियर,प्री लेमिनेटेड एक्सटीरियर, प्लेन एक्सटीरियर एमडीएफ, एचडीएफ प्री लेमिनेटेड हाई डेंसिटी फाइबर बोर्ड,प्लेन हाई डेंसिटी फाइबर बोर्ड, प्लेन कैलिफोर्निया एयर रिसोर्सेस बोर्ड, प्री लेमिनेटेड कैलिफोर्निया एयर रिसोर्सेस बोर्ड और हाई प्रेशर लैमिनेट्स शामिल हैं। कंपनी को 7 वर्षों का निर्माण अनुभव है। कंपनी के देश भर में 3500 से अधिक रिटेलर्स हैं। कंपनी 12 ब्रांड्स के माध्यम से अपने उत्पादों की बिक्री करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता 360 बीसीएम प्रतिदिन की है। वर्तमान में कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता का 60.66 फीसदी इस्तेमाल कर रही है। कंपनी ने बिक्री का राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित किया है और करीब 2000 डीलर-डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से कंपनी अपने उत्पादों की बिक्री करती है।

प्रवर्तकों का अनुभव

प्रेम चंद

70 वर्षीय प्रेम चंद कंपनी के बोर्ड के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष हैं, जिनके पास विविध व्यवसाय चलाने का तकनीकी और प्रशासनिक अनुभव है। वर्ष 1962 में उन्होंने टोहाना में रोहन लाल प्रेम चंद के नाम से सरसों और कपास मिल का व्यवसाय चलाने के लिए कारोबार शुरू किया। 1985 में, उन्होंने उच्च घनत्व और कम घनत्व वाली प्लास्टिक फैक्ट्री का अतिरिक्त व्यवसाय आर.एस.प्लास्टिक उद्योग शुरू किया। इसे वर्ष 2000 में बंद कर दिया गया। इसके अलावा, 1987 में उन्होंने डब्ल्यू.आर. आटा मिल शुरू की। इसके अलावा, वर्ष 1999 में उन्होंने अर्चित' ब्रांड नाम के तहत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में माचिस का निर्माण और व्यापार शुरू किया।

विनोद कुमार सिंगला

45 वर्षीय विनोद कुमार सिंगला कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं। वे वर्ष 1995 में पारिवारिक व्यवसाय में शामिल हुए और वर्ष 2000 में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। वे कंपनी के लिए विनिर्माण प्रक्रिया के प्रबंधन में शामिल है। उन्हें करीब 12 वर्षों से ज्यादा का कारोबारी अनुभव है।

विनीत कुमार

43 वर्षीय विनीत कुमार कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक हैं। उन्होंने वर्ष 1998 में अपनी मैट्रिक की डिग्री पूरी की और वर्ष 1995 में पारिवारिक व्यवसाय में शामिल हो गए। वे कंपनी के लिए विपणन और बिक्री रणनीति विकास प्रक्रिया में शामिल हैं। उन्हें भी करीब 11 वर्षों से ज्यादा का कारोबारी अनुभव है।

वित्तीय प्रदर्शन : वित्त वर्ष 2021 में कंपनी ने कुल राजस्व 39.60 करोड़ रुपए एवं 3.04 करोड़ रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ, वित्त वर्ष 2022 में कंपनी ने कुल राजस्व 134.25 करोड़ रुपए एवं 4.43 करोड़ रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ, वित्त वर्ष 2023 में 152.32 करोड़ रुपए का राजस्व एवं 21.27 करोड़ रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ और वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने 185.40 करोड़ रुपए का राजस्व एवं 36.92 करोड़ रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ अर्जित किया है। कंपनी के वित्तीय परिणामों से स्पष्ट है कि कंपनी का राजस्व एवं कर पश्चात शुद्ध लाभ वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2024 तक कंपनी का कर पश्चात शुद्ध लाभ मार्जिन 20.07 फीसदी दर्ज किया गया है। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी की आरओसीई 40.38 फीसदी और आरओई 57.41 फीसदी दर्ज की गई है। कंपनी का कर्ज इक्विटी रेश्यो 0.37 गुना का है। इस आधार पर कह सकते हैं कि कंपनी पर कर्ज भार अधिक नहीं है।

Archit Nuwood IPO Details

Archit Nuwood Issue Dates	30 August - 3 September 2024
Archit Nuwood Issue Price	INR 257 – 270 per share
Fresh issue (At Upper Price Band)	62,40,000 shares (INR 168.48 crore)
Total IPO size (At Upper Price Band)	62,40,000 shares (INR 168.48 crore)
Lot Size	400 shares
Face Value	INR 10 per share
Listing On	BSE SME
Book Running Lead Manager	Share India Capital Services Pvt. Ltd. Share India You generate, we multiply

आईपीओ के संबंध में जानकारी: 'अर्चित नुवुड इंडस्ट्रीज लिमिटेड' का आईपीओ बीएसई एसएमई प्लेटफार्म पर 30 अगस्त को खुलकर 3 सितंबर 2024 को बंद होगा। कंपनी द्वारा 10 रुपए फेसवैल्यू के 62,40,000 फ्रेश इक्विटी शेयर जारी कर पूंजी जुटाई जाएगी। आईपीओ का प्रबंध प्रमुख लीड मैनेजर कंपनी शेयर इंडिया केपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड को तीसरे डिवाइसेक्स्ट शिखर सम्मेलन और पुरस्कारों में 'सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड 2024' के रूप में सम्मानित किया गया

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड ने दिल्ली के रेडिसन ब्लू प्लाजा होटल में आयोजित प्रतिष्ठित तीसरे डिवाइसेक्स्ट शिखर सम्मेलन और पुरस्कारों में 2024 के सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड के रूप में अपनी मान्यता की घोषणा की। यह पुरस्कार सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड के सीएफओ बिंदू गुप्ता को प्रदान किया गया। ब्रांड के असाधारण विकास, नवाचार और आज के तकनीक-प्रेमी उपभोक्ताओं के साथ मेल खाने वाले उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को वितरित करने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए, अपनी स्थापना के बाद से, सेलेकोर ने उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरणों और पहनने योग्य वस्तुओं सहित

लाइफस्टाइल स्मार्ट गैजेट्स, ऑडियो उपकरण और सहायक उपकरण की व्यापक रेंज के लिए तेजी से प्रतिष्ठा हासिल की है। सामर्थ्य, गुणवत्ता और डिजाइन पर ब्रांड के जोर ने इसे बाजार में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल करने में सक्षम बनाया है, जिससे इसका तेजी से विस्तार हुआ है और उद्योग में अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। उपभोक्ता उपकरणों और गैजेट उद्योग के अग्रणी ब्रांडों, निर्माताओं, चैनल भागीदारों, सेवा प्रदाताओं और दूरदर्शी निवेशकों के लिए डिवाइसनेक्स्ट समिट के तीसरे संस्करण ने एक प्रमुख अभिसरण बिंदु के रूप में कार्य किया। इस कार्य म में 30 से अधिक वक्ता शामिल हुए और 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, सभी ने उद्योग के भविष्य को आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया।

ऐसे युग में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) हमारे तकनीकी परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं, डिवाइसनेक्स्ट समिट 2024 यह पता लगाने के लिए समर्पित था कि ये क्रांतिकारी प्रौद्योगिकियां उपभोक्ता प्रौद्योगिकी को कैसे प्रभावित कर रही हैं। 'एआईओटी शेपिंग वियरेबल एंड कंज्यूमर टेक' विषय के तहत, शिखर सम्मेलन में नवोन्वेषी गैजेट्स और उपकरणों पर चर्चा की गई जो उपभोक्ताओं के जीवन को स्मार्ट और अधिक कुशल बनाने के लिए तैयार हैं।

डिवाइस नेक्स्ट प्रौद्योगिकी के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बी2बी ऑनलाइन मीडिया प्लेटफार्मों में से एक है, जो 2018 से संचालित है। यह तेजी से प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सबसे भरोसेमंद ऑनलाइन पोर्टल बन रहा है, जो मोबाइल हैंडसेट, टेलीकॉम, ऑटो टेक्नोलॉजीज, होम उपकरण, जीवनशैली गैजेट, सहायक उपकरण, और बहुत कुछसहित कई क्षेत्रों को कवर करता है। इस व्यापक कवरेज ने डिवाइस नेक्स्ट को उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख गंतव्य में बदल दिया है, जिससे यह प्रौद्योगिकी उद्योग में एक अमूल्य मंच बन गया है। जैसा कि सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड अपनी यात्रा जारी रख रहा है, यह सम्मान उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और उन्नत तकनीक को सभी के लिए सुलभ बनाने के उसके दृष्टिकोण के प्रमाण के रूप में परिलक्षित हो रही है।

सुनीता टूल्स लिमिटेड को विभिन्न प्रकार के मोल्ड बेस प्लेटों के लिए लगभग 3.48 करोड़ रुपये का अनुबंध प्राप्त हुआ

SUNITA

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। महाराष्ट्र के पालघर आधारित मोल्ड बेस प्लेटों का निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी सुनीता टूल्स लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को विभिन्न प्रकार के मोल्ड बेस प्लेटों के लिए लगभग 3.48 करोड़ रुपये का अनुबंध प्राप्त हुआ है। कंपनी को यह ऑर्डर ओईएम, मशीन मैन्युफैक्चरर और स्टील प्रोसेसर से यह आर्डर मिला है। इस आर्डर के तहत कंपनी को स्टील मोल्ड प्रोडक्ट्स और क्लेंपिंग यूनिट प्लेट की आपूर्ति करनी होगी।

गौरतलब है कि कंपनी कस्टमाइज्ड मोल्ड बेस, प्रिसिजन फिनिश सीएनसी मशीनिंग, प्लास्टिक मोल्ड बेस, पॉकेट मशीनिंग, इंजेक्शन मोल्ड बेस, प्रिसिजन कंपोनेंट मशीनिंग, कैप्स और क्लोजर के लिए मोल्ड बेस, ब्लो मोल्ड बेस, स्टैंडर्ड मोल्ड बेस, कंप्रेशन मोल्ड बेस, डाई कास्टिंग मोल्ड बेस, मोल्ड बेस, ओवर मोल्ड बेस और प्रोटोटाइप मोल्ड बेस बनाती है।

TIRUPATI FINCORP LIMITED

Corporate Identity Number (CIN) – L67120RJ1982PLC002438
Regd. Office: Flat no. G2/G17, Raghuraj Enclave, Krishna Marg C-Scheme, Jaipur, Rajasthan, RJ - 302001 | **Tel:** +91 022 71148504
Email id: tirupatifincorp31@gmail.com | **Website:** www.tirupatifincorp.in

NOTICE FOR 42ND ANNUAL GENERAL MEETING

To,
The Members,
TIRUPATI FINCORP LIMITED

1. Shareholders may note that the 42nd Annual General Meeting (AGM) of the Company will be held over video conference/other audio-visual means on **Saturday, September 21, 2024 at 3:00 P.M.** IST in compliance with General Circular numbers 20/2020, 14/2020, 17/2020, 02/2021, 02/2022, 10/2022 and 09/2023 (hereinafter referred to as "the Circulars") and all other applicable laws and circulars issued by the Ministry of Corporate Affairs (MCA) from time to time and Securities and Exchange Board of India (SEBI), to transact the business/(es) that will be set forth in the Notice of the Meeting.
2. In compliance with the above circulars, electronic copies of the Notice of AGM and Annual Report for the financial year ended March 31, 2024, will be sent only through email to all the shareholders whose email addresses are registered with the Depository Participant(s). Shareholders holding shares in dematerialized mode are requested to register their email addresses and mobile numbers with their relevant depositories through their depository participants. Shareholders holding shares in physical mode are requested to furnish their email addresses and mobile numbers with the Company's Registrar and Share Transfer Agent "Skyline Financial Service Pvt Limited" at pravin.cm@skylinerta.com. The Notice of 42nd AGM and Annual Report for financial year ended March 31, 2024 will also be made available on the website of the Company at www.tirupatifincorp.in, on the websites of BSE at www.bseindia.com and on the website of National Securities Depository Limited ('NSDL') at www.evoting.nsdl.com
3. Shareholders who have not registered their email addresses will have an opportunity to cast their vote remotely on business/(es) as set forth in the Notice of the AGM through a remote e-voting system or through an e-voting system during the AGM. The manner of voting remotely for shareholders holding shares in dematerialized and physical mode will be provided in the Notice to the shareholders.
4. The 42nd AGM Notice will be sent to the shareholders in accordance with the applicable laws on their registered email addresses in due course.

By order of the Board of Directors
Sd/-
Ameya Dhananjay Bodas
Company Secretary & Compliance Officer

Place: Jaipur
Date: August 23, 2024

निफ्टी में 24606 अंक के ऊपर तेजी देखि जा सकती है

निखिल भट्ट
रिसर्च एनालिस्ट, सेबी पंजीकृत

दिनांक 26.08.2024 शेयर बाजार में ट्रेडिंग के संबंध में....

दिनांक 23.08.2024 पर निफ्टी फ्यूचर क्लोजिंग प्राइस @ 24854 पॉइंट पर :-

अगले कारोबार के लिए संभवित निफ्टी फ्यूचर 24606 अंक के मजबूत स्टॉपलॉस के साथ सबसे महत्वपूर्ण स्तर 24939- 25008- 25088 अंक को छू सकता है निफ्टी फ्यूचर में प्रति यात्मक के लिए 24474 रुपये का महत्वपूर्ण स्टॉपलॉस के साथ सावधानी की स्थिति....

दिनांक 23.08.2024 पर बैंक निफ्टी फ्यूचर क्लोजिंग प्राइस @ 50980 पॉइंट पर :-

अगले कारोबार के लिए संभवित बैंक निफ्टी फ्यूचर 50606 अंक के मजबूत स्टॉपलॉस के साथ सबसे महत्वपूर्ण स्तर 51088- 51188 - 51303 अंक को छू सकता है बैंक निफ्टी फ्यूचर में प्रति यात्मक के लिए 50474 रुपये का महत्वपूर्ण स्टॉपलॉस के साथ सावधानी की स्थिति....

अब नजर डालते हैं फ्यूचर्स स्टॉक सम्बंधित मूवमेंट पर...!!

हेवेल्स इंडिया (1891) :- एम्जी ग्रुप की इस अग्रणी कंपनी के शेयर की कीमत फिलहाल 1860 रुपये के आसपास है। 1844 रुपये के सख्त स्टॉपलॉस के साथ खरीदा जा सकने वाला यह स्टॉक 1909 से 1919 रुपये की निर्धारित लक्ष्य की संभावना है...!! 1930 रुपये पर तेजी का रुख दिखाएगा...!!

इन्फोसिस लिमिटेड (1867) :- तकनीकी चार्ट के अनुसार 1833 रुपये के आसपास सकारात्मक ब्रेकआउट.. 1818 रुपये के सपोर्ट से खरीदा जा सकने वाला यह स्टॉक 1884 रुपये से 1890 रुपये तक के लक्ष्य भाव की संभावना है...!!

भारती एयरटेल (1507) :- दूरसंचार - सेलुलर और फिक्स्ड लाइन सेवाएँ सेक्टर के शेयर में 1522 रुपये से 1530 रुपये तक की शॉर्ट टर्म तेजी का रुख दिखाएगा,1480 रुपये के अनुमानित सख्त स्टॉपलॉस का पालन करेंज!!

अदानी पोर्ट्स (1491):- पोर्ट एंड पोर्ट्स सर्विस सेक्टर के शेयर में 1508 रुपये से 1520 रुपये तक की शॉर्ट टर्म तेजी का रुख दिखाएगा, 1460 रुपये के अनुमानित सख्त स्टॉपलॉस का पालन करें..!!

टाटा केमिकल्स (1072) :- 10 रुपये का फेसवैल्यूका फंडामेंटल स्ट्रॉन्ग यह स्टॉक करीब 1060 स्टॉप लॉस के साथ खरीदा जा सकने कोमोडिटी केमिकल्स सेक्टर के इस स्टॉक में लगभग 1084 रुपये से 1103 रुपये तक लक्ष्य की संभावना है..!!!

ल्यूपिन लिमिटेड (2098) :- तकनीकी चार्ट के फर्मास्यूटिकल सेक्टर के इस शेयर पर बिकवाली होने की संभावना के साथ 2070 रुपये से 2057 रुपये के आसपास लक्ष्य भाव की संभावना है । प्रतिक्रियात्मक के लिए 2150 का स्टॉपलॉस ध्यान में रखें...!!

एसबीआए लाइफ (1794) :- इस शेयर को 1808/1828 रुपये के आसपास ओवरबोट स्थिति दर्ज करते हुए बिकवाली की संभावना के साथ इसकी कीमत 1778 रुपये से 1764 रुपये के मूल्य स्तर के आसपास लक्ष्य की संभावना है...!!! 1833 रुपये के स्तर पर एक तेजी का माहोल..!!

ग्लेनमार्क फार्मा (1684) :- फर्मास्यूटिकल सेक्टर का यह स्टॉक 1709 रुपये के स्टॉपलॉस के साथ बेचकर 1664 रुपये से 1640 रुपये के मूल्य स्तर के आसपास लक्ष्य की संभावना है...!!

बाटा इंडिया (1450) :- फूटवेर सेक्टर के इस शेयर को करीब 1474 रुपये स्टॉपलॉस के साथ बेचकर 1437 रुपये से 1420 रुपये का टारगेट प्राइस रहने की संभावना है। ट्रेडिंग के लिए 1490 रुपये का सख्त स्टॉपलॉस का पालन करेंज!!

एक्सिस बैंक (1169) :- इस शेयर को करीब 1194 / 1208 रुपये का स्टॉपलॉस साथ बेचकर की टारगेट प्राइस 1150 रुपये से लेकर 1144 रुपये तक रहने की संभावना है। 1220 रुपये पर तेजी का रुख दिखाएगा...!!!

लेखक सेबी पंजीकृत अनुसंधान विश्लेषक और इन्वेस्टमेंट पोइन्ट के मालिक हैं।

विशेष नोट:- डिस्क्लेमर / नीति / शर्तें www.nikhilbhatt.in के अधीन...!!!

नोट: शेयरों में निवेश करने से पूर्व निवेशको को वित्तीय सलाहकार की सलाह लेनी चाहिए।

एपीएम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड

IS/ISO 9001-2000

पंजीकृत कार्यालय: एसपी–147, रीको औद्योगिक क्षेत्र, भिवाड़ी, जिला खैरथल–तिजारा, राजस्थान–301019
कॉर्पोरेट कार्यालय: 910, चिरंजीव टॉवर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–110019
ई–मेल: csapmindustriesltd@gmail.com, **वैबसाइट:** www.apmindustries.co.in
सीआईएन: L21015RJ1973PLC015819, **फोन:** (011)26441015–18,

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य दृश्य–श्रव्य माध्यमों से आयोजित होने वाली 50वीं वार्षिक आम बैठक, रिकार्ड तिथि एवं लाभांश की सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') और उसके तहत बनाए गए नियमों के लागू प्रावधानों सपठित 05 मई, 2020 के सामान्य परिपत्र संख्या 20/2020 सपठित समय–समय पर जारी किए गए बाद के परिपत्रों, नवीनतम सामान्य परिपत्र संख्या 09/2023 दिनांकित 25 सितंबर, 2023 ('एमसीए परिपत्र') के अनुपालन में एपीएम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ('कंपनी') के सदस्यों की **पचासवीं (50वीं) वार्षिक आम बैठक ('एजीएम')** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों ('वीसी/ओएवीएम') के माध्यम से एजीएम में सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना, 50वीं एजीएम ('एजीएम नोटिस') आयोजित करने के नोटिस में निर्धारित अनुसार व्यवसाय का संचालन करने के लिए **मंगलवार, 24 सितंबर, 2024 को दोपहर 12:30 बजे (आईएसटी)** आयोजित की जाएगी। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने वाले सदस्यों को अधिनियम की धारा 103 के तहत कोरम के प्रयोजन के लिए गिना जाएगा।

एजीएम नोटिस और वार्षिक रिपोर्ट का इलैक्ट्रॉनिक प्रसार:– एमसीए परिपत्र और सेबी परिपत्र संख्या SEBI/HO/CFD/CMD1/CIR/P/2020/79 दिनांक 12 मई, 2020 और उसके बाद समय–समय पर जारी परिपत्र, नवीनतम SEBI/HO/CFD/CFD-PoD-2/P/CIR/2023/167 दिनांक 07 अक्टूबर 2023 के अनुपालन में वित्तीय वर्ष 2023–24 की वार्षिक रिपोर्ट ('वार्षिक रिपोर्ट') के साथ एजीएम नोटिस केवल उन सदस्यों को इलैक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से उचित समय पर भेजा जाएगा जिनकी ईमेल आईडी कंपनी/रजिस्ट्रार, शेयर ट्रांसफर एजेंट ('आरटीए')/डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट ('डीपी') के साथ पंजीकृत हैं और उपरोक्त दस्तावेज़ कंपनी की वैबसाइट https://www.apmindustries.co.in/investors/reports-returns/annual-reports/ स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई लिमिटेड की वैबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध होंगे।

ई–वोटिंग:– सदस्यों को एजीएम सूचना में निर्धारित सभी प्रस्तावों पर रिमोट ई–वोटिंग सुविधा (एजीएम से पहले) और ई–वोटिंग सुविधा (एजीएम में) के माध्यम से इलैक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालने की सुविधा प्रदान की जाएगी। रिमोट ई–वोटिंग और ई–वोटिंग सुविधा की विस्तृत प्रक्रिया एजीएम नोटिस में प्रदान की जाएगी। एजीएम में ई–वोटिंग की सुविधा उन सदस्यों को उपलब्ध कराई जाएगी जो वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से एजीएम में उपस्थित थे और उन्होंने रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से प्रस्तावों पर अपना वोट नहीं डाला है। जिन सदस्यों ने एजीएम से पहले रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट डाला है, वे वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं, लेकिन एजीएम में वोट करने के पात्र नहीं होंगे। भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्य या जिन सदस्यों की ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है, वे ईमेल आईडी के पंजीकरण, एजीएम में उपस्थिति और ई–वोटिंग के लिए यूज़र आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने के लिए एजीएम नोटिस में उल्लिखित विस्तृत प्रक्रिया का उल्लेख कर सकते हैं।

लाभांश और रिकॉर्ड तिथि:– कंपनी के निदेशक मंडल ने 24 मई, 2024 को आयोजित अपनी बैठक में वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 2/– रुपये के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 0.50 रुपये (यानी 25%) के लाभांश की सिफारिश की थी जो कि एजीएम में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। सदस्यों द्वारा अनुमोदन पर, लाभांश प्राप्त करने के लिए सदस्यों की पात्रता निर्धारित करने के लिए रिकॉर्ड तिथि, **यानी 13 सितंबर, 2024** को इलैक्ट्रॉनिक या भौतिक रूप में कंपनी के इक्विटी शेयर रखने वाले सदस्यों को लाभांश का भुगतान/भेजा जाएगा। सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने लाभांश पात्रता का इलैक्ट्रॉनिक क्रेडिट प्राप्त करने के लिए एजीएम नोटिस में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने बैंक विवरण अपडेट करें।

लाभांश पर कर:– आयकर अधिनियम, 1961, ('आईटी अधिनियम') के प्रावधानों के अनुसार, लाभांश आय सदस्यों के हाथों कर योग्य है और कंपनी को सदस्यों को भुगतान किए गए लाभांश से स्त्रोत पर कर काटने की आवश्यकता होती है। आईटी अधिनियम के तहत निर्धारित दर पर, स्त्रोत पर कर की कटौती आवासीय स्थिति, सदस्यों की श्रेणी और आईटी अधिनियम के तहत प्रदान की गई शर्तों की पूर्ति के आधार पर होगी। इसलिए, सदस्यों से अनुरोध है कि वे **16 सितंबर, 2024** को या उससे पहले csapmindustriesltd@gmail.com पर ई–मेल के माध्यम से कर संबंधी दस्तावेज़/घोषणाएं भेजें ताकि कंपनी लागू उचित विदहोल्डिंग टैक्स दर निर्धारित करने में सक्षम हो सके।

जो सदस्य अपनी ईमेल आईडी और बैंक खाता अधिदेश को पंजीकृत/अद्यतन करना चाहते हैं, वे नीचे दिए गए निर्देशों का पालन कर सकते हैं:–

- डीमैट फॉर्म में कंपनी के इक्विटी शेयर रखने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित डीपी से संपर्क करें और डीपी द्वारा दी गई सलाह प्रक्रिया का पालन करें।
- भौतिक रूप में कंपनी के इक्विटी शेयर रखने वाले सदस्य कंपनी के आरटीए, स्काईलाइन फाईनैंशियल सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड के साथ parveen@skylinerta.com पर निर्धारित फॉर्म आईएसआर–1 और अन्य प्रासंगिक फॉर्म में विवरण पंजीकृत/अपडेट कर सकते हैं। सदस्य कंपनी की वैबसाइट https://www.apmindustries.co.in/investors/updation-of-kyc-details-compulsory-issue-of-shares-in-dematerialized-form/ से निर्धारित फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं।

एपीएम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के लिए
कृते/–
नेहा गोयल
कंपनी सचिव

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 23.08.2024

मध्यभारत एग्रो प्रोडक्टस लिमिटेड

OGI OSTWAL

पंजीकृत कार्यालय विंग ए/1, 1st फ्लोर, ओस्तवाल हाइट्स, अर्बन फारेस्ट, आटून,भीलवाड़ा, 311802,राजस्थान
सीआईएन: L24121RJ1997PLC029126, फोन न.- 01482-237104
ई-मेल: secretarial@mbapl.com वेबसाइट: www.mbapl.com

27वीं वार्षिक आम बैठक, ई-वोटिंग और रिकॉर्ड तिथि की सूचना

एतदद्वारा सूचित किया जाता हैं कि मध्यभारत एग्रो प्रोडक्टस लिमिटेड की 27वीं वार्षिक सामान्य बैठक ('एजीएम') शुक्रवार 20 सितंबर 2024 को सुबह 11:00 बजे (IST) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ('वीसी') / अन्य ऑडियो वीडियो मीन के माध्यम से भौतिक कोरम की उपस्थिति के बिना आयोजित की जाएगी। जिसमे एजीएम की विस्तृत सूचना में उल्लेखित व्यवसाय को सम्पादित किया जायेगा।

परिपत्रों के अनुपालन में, 27वीं एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट की इलेक्ट्रॉनिक प्रतियां उन सभी सदस्यों को भेज दी गई हैं, जिनके ईमेल पते कंपनी/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (डीपी) के साथ पंजीकृत हैं। ये दस्तावेज कंपनी की वेबसाइट www.mbapl.com और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ('एनएसई') की वेबसाइट www.nseindia.com पर भी उपलब्ध हैं। ईमेल के माध्यम से एजीएम की सूचना का प्रेषण 23 अगस्त, 2024 को पूरा कर लिया गया है।

सेबी के विनियमन 42 (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकता), 2015 के अनुसार कंपनी ने 13 सितंबर 2024 को आगामी एजीएम में ई-वोटिंग के लिए योग्य सदस्यों का निर्धारण करने और घोषित किए जाने पर इक्विटी शेयरों पर लाभांश प्राप्त करने के उद्देश्य से रिकॉर्ड तिथि/कट-ऑफ तारीख के रूप में निर्धारित किया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108, कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 और सेबी के विनियम 44 (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के अनुसार सदस्यों को दूरस्थ ई- मतदान के लिए नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा प्रदान की गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली का उपयोग करके एजीएम के नोटिस में दिए गए सभी प्रस्तावों पर अपना वोट डालने की सुविधा प्रदान की जा रही है। एजीएम के दौरान मतदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी और वे सदस्य जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से प्रस्तावों पर अपना वोट नहीं डाला है और अन्यथा ऐसा करने से वर्जित नहीं हैं, वे ई-वोटिंग सिस्टम के माध्यम से एजीएम में मतदान करने के पात्र होंगे। व्यक्ति जिसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में या डिपॉजिटरी द्वारा बनाए गए बेनिफिशियल ओनर के रजिस्टर में, कट-ऑफ तिथि,13 सितंबर, 2024 को दर्ज है, केवल वही व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग व वार्षिक आम बैठक में मतदान की सुविधा का लाभ उठाने का हकदार होगा।

ई-वोटिंग की अवधि मंगलवार, 17 सितंबर, 2024 (सुबह 9 बजे) (आईएसटी) से शुरू होगी और गुरुवार 19 सितंबर, 2024 (शाम 5.00 बजे) (आईएसटी) समाप्त होगी । इस अवधि के दौरान, सदस्य इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं। इसके बाद ई-वोटिंग मॉड्यूल NSDL द्वारा निष्क्रिय कर दिया जाएगा। सदस्यों को नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड द्वारा प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से एजीएम में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाती है। दूरस्थ ई-वोटिंग क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके सदस्य www.evoting.nsdl.com पर वीसी के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं। एजीएम के लिए लिंक सदस्य के लॉगिन में उपलब्ध होगा जहां 'इवेंट' और 'कंपनी का नाम' चुना जा सकता है। एजीएम की तारीख से पहले रिमोट ई-वोटिंग द्वारा वोट डालने वाले सदस्य भी एजीएम में शामिल हो सकते हैं लेकिन फिर से वोट डालने के हकदार नहीं होंगे।

एजीएम के नोटिस में रिमोट ई-वोटिंग/ई-वोटिंग और वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने की विस्तृत प्रक्रिया प्रदान की गई है। कोई भी व्यक्ति जो एजीएम का नोटिस भेजने के बाद कंपनी का शेयरधारक बन जाता है, वह evoting@nsdl.co.in पर एक अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। यदि व्यक्ति दूरस्थ ई-वोटिंग के लिए पहले से ही NSDL के साथ पंजीकृत है, तो मौजूदा उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड का उपयोग वोट डालने के लिए कर सकता है।

निदेशक मंडल ने निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से ई-वोटिंग प्रक्रिया के संचालन के लिए मैसर्स सौरभ बापना एंड एसोसिएट्स के श्री सौरभ बापना, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव को स्क्रूटिनीज़र नियुक्त किया है।

ई-वोटिंग से संबंधित किसी पूछताछ के मामले में, सदस्य त्वरित पूछे जाने वाले प्रश्न (एफक्यूज) और ई-वोटिंग यूजर मैनुअल का सन्दर्भ www.evoting.nsdl.com से ले सकते हे, सदस्यों से अनुरोध है कि ई-वोटिंग से मतदान के संबंध में किसी भी प्रश्न या शिकायतों के लिए, सुश्री पल्लवी सुखवाल, कंपनी सचिव, मध्यभारत एग्रो प्रोडक्टस लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय में संपर्क करें- रजिस्टर्ड ऑफिस विंग ए/1, 1st फ्लोर, ओस्तवाल हाइट्स, अर्बन फारेस्ट, आटून, भीलवाड़ा, 311802, राजस्थान, ईमेल secretarial@mbapl.com, फोन: 01482-237104.

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
मध्यभारत एग्रो प्रोडक्टस लिमिटेड
हस्ताक्षरित /-
(पल्लवी सुखवाल)
कम्पनी सचिव

स्थान- भीलवाडा
तिथि- 23/08/2024